एक नजर में

एमपीएमएलए कोर्ट ने नेताओं को किया दोषमुक्त

भोपाल. एमपीएमएलए कोर्ट ने सोमवार को एक मामले में कांग्रेस के 11 नेताओं को दोषमुक्त किया. अधिवक्ता संजय गुप्ता ने बताया कि 19 जुलाई 2012 को बाबाराम देव का कारगेट एसआईटी कॉलेज अयोध्या बायपास के पास जा रहा था, तभी सामने से आ रहे प्रदर्शनकारी ईश्वर सिंह चौहान, सुनील पाठक, राज सिंह सहित अन्य लोगों ने खडे होकर कारगेट को रोकने का प्रयास किया था. प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान पत्थर फेंकना शुरू किया था. प्रकरण के दौरान सुनील पाठक, एवं ईश्वर सिंह चौहान की मृत्यु हो गई और जगदीश कुमार फरार हो गया था. अधिवक्ता ने बताया कि कोर्ट ने इस मामले में विभा पटेल, मानक अग्रवाल, सुनील सूद, कैलाश मिश्रा सहित नेताओं इस मामले में आरोप से दोषमुक्त किया गया है.

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

भोपाल. हनुमानगंज थाना पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से पुलिस ने एक तीन पहिया वाहन और एक स्कूटी जब्त की है. निरीक्षक अवधेश सिंह भदौरिया ने बताया कि शनिवार को इलाके में गस्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में चोरी का ई रिक्शा सिंधी कालोनी के पास एक व्यक्ति लेकर खडा है. पुलिस के वहां पहुंचने पर आरोपी भागने लगा, जिसे पकड़ कर पूछताछ की गई. आरोपी ने पुलिस को अपना नाम अमन उम्र 20 साल निवासी निशातपुरा का बताया. अमन ने पुलिस को बताया कि तीन दिन पहले नादरा बस स्टैंड के पास उसने ई रिक्शा चोरी किया था.

दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप के ठिकाने पर छापा

अमृतसर से आई इनकम टैक्स की टीम ने की कार्रवाई

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 13 अक्टूबर. इनकम टैक्स विभाग की टीम ने सोमवार को दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप के मालिक के आफिस में छापा मारा. चूनाभट्टी क्षेत्र में संचालित आफिस में सुबह से ही टीम ने कार्रवाई शुरू की. छापेमार कार्रवाई के दौरान कार्यालय के आसपास लोगों का आना-जाना बंद करा दिया गया.

इस मौके पर आफिस के कुछ स्टाफ और सुरक्षाकर्मी ही मौके पर मौजूद रहे. जानकारी के अनुसार अमृतसर की टीम ने भोपाल पहुंच कर दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप के दो ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की. इस बीच ठिकानों से दस्तावेजों को खंगाला गया. कार्रवाई शुरू करने को लेकर इनकम टैक्स की टीम ने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों और थानों की पुलिस से भी कोई जानकारी साझा नहीं की. टीम ने एमपी एसएफ की मदद से कार्रवाई को आगे बढ़ाया. बताया जा रहा है कि कंपनी के वित्तीय दस्तावेज, आय-व्यय का ब्यौरा, अचल संपत्तियों के कागजात और ई-रिकॉर्डस की गहन जांच इनकम टैक्स विभाग के अधिकारियों ने की है. इस कार्रवाई में करोड़ों रुपये की अघोषित आय और टैक्स चोरी का खुलासा होने की संभावना जताई गई है. हालांकि इस मामले में किसी भी तरह का आधिकारिक बयान भी सामने अभी तक नहीं आया है.

बता दें कि दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप के पास मध्य प्रदेश के अलावा देशभर के बड़े प्रोजक्ट हैं. कंपनी के पास केरल, गुरुग्राम के अलावा अन्य नगरों से हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट हैं. इन प्रोजेक्टों पर कार्य भी संचालित हैं.

एनओसी के लिए परेशान हुए छात्र

- घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिला प्रबंधन का जवाब
- 6 महीने से पेंडिंग है एप्लिकेशन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 13 अक्टूबर.प्रदेश नर्सिंग काउंसिल की धीमी रफ्तार ने कई छात्रों के भविष्य पर तलवार लटका दी है. लंबे समय इंतजार के बाद 25 जुलाई को नर्सिंग कॉलेजों का रिजल्ट तो जारी हो गया, लेकिन कई छात्रों को एनओसी नहीं मिली है.

परेशान होने वालों में कई छात्र छात्राएं 2020 और 21 के बैच के भी शामिल है, जिनको अब तक एनओसी नहीं दी गई. विद्यार्थियों को पहले तो मार्कशीट मिलने में सालों का समय लग गया. अब मार्कशीट मिल गई तो एनओसी के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं. निजी कॉलेज के छात्रों का कहना है कि जुलाई में ऑनलाइन आवेदन करवाया, जिसके बाद हमें एक कॉपी आवेदन की मुहर के साथ दी गई और कहा गया कि 40 दिन के अंदर आपका एनओसी पोर्टल पर अपडेट ही जाएगा।

अब तीसरा महीना बीतने वाला है और पोर्टल पर कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं है, यहां आकर पूछने पर कहा गया कि रिक्वेस्ट एप्लिकेशन लिखकर दो अब प्रक्रिया ऑफलाइन हो गई है. सोमवार को एनओसी का कार्य करवाने आये कई विद्यार्थियों से नर्सिंग काउंसिल के स्टाफ ने बदसलूकी की और कहा कि एप्लीकेशन देकर चले जाइए. जब मूड होगा तो ? साइन होंगे.

> विभिन्न राज्यों से आए छात्रों ने एनओसी के लिए एप्लिकेशन लिखकर दी और जवाब के इंतजार में शाम तक मप्र नर्सिंग काउंसिल की बिल्डंग के बाहर बैठे रहे. घंटो तक बैठने के बाद भी रजिस्ट्रार से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला, जिसके बाद विद्यार्थियों को निराशा पूर्वक वापस लौटना पड़ा.

रजिस्ट्रार ने नहीं रिसीव किया कॉल

इस पूरे मामले को लेकर नर्सिंग काउंसिल के रजिस्ट्रार मुकेश सिंह से मोबाइल सहित ऑफिस में भी संपर्क करने की कोशिश की गई. लेकिन उन्होंने कॉल नहीं रिसीव किया.

उदित हत्याकांड में इंसाफ की मांग

भोपाल. शहर में मृतक इंजीनियरिंग छात्र उदित गायकी के दोस्तों ने सोमवार को इंसाफ की मांग की. इस मौके पर देर शाम को माता मंदिर चौराहे से न्यू मार्केट तक कैंडल मार्च निकाला गया.

मृतक के साथी रहे सैंकड़ों छात्र-छात्राओं ने नम आंखों से अपने मृतक दोस्त को श्रद्धांजलि देते प्रशासन से न्याय की मांग की. पुलिस की पिटाई से अपने दोस्त की मौत की घटना का बैनर लेकर इंजीनियरिंग छात्र-छात्राओं ने इस मौके पर कहा कि भविष्य में फिर कभी किसी के साथ ऐसा न हो. इसके लिए प्रशासन से न्याय की मांग की जा रही है. छात्र-छात्राओं के साथ कैंडल मार्च में शहर के नागरिक भी शामिल हुए. उदित गायकी की हत्या के आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग मार्च में शामिल लोगों ने की. बता दें कि बीते गुरूवार को उदित गायकी के साथ 2 पुलिसकर्मियों ने मारपीट की थी.

सूखी सेवनिया में आरओबी पर धंसी सड़क

अधिकारियों ने पहुंचकर शुरु की जांच

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 13 अक्टूबर. शहर के सूखी सेवनिया आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) के एक तरफ की आर-ई वॉल क्षतिग्रस्त होने से सड़क का एक हिस्सा धंस गया. सोमवार को हुई इस घटना में किसी भी तरह की जान-माल की हानि जानकारी सामने नहीं आई है.

घटना की जानकारी मिलते ही मप्र सड़क विकास निगम के अधिकारी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे. क्षतिग्रस्त क्षेत्र को सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह से बंद कर दिया गया है. मौके पर मौजूद अधिकारी सड़क धंसने के कारणों की जांच कर रहे हैं. इसके साथ ही मरम्मत कार्य को भी शुरू कर दिया गया है. मामले को गंभीरता से लेते हुए एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक भरत यादव ने स्पष्ट किया है कि अगर जांच रिपोर्ट में किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित जिम्मेदार के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी. एमपीआरडीसी के अधिकारियों के अनुसार, इस सड़क का निर्माण साल 2013 में हुआ था. मेसर्स ट्रॉन्सट्राय प्रा. लि. ने बीओटी मॉडल के तहत सड़क का निर्माण कराया था. कंपनी का अनुबंध भी साल 2020 में निरस्त किया जा चुका है.

रेलवे के सफाई मित्र सम्मानित

भोपाल, 13 अक्टूबर. पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत स्वच्छता एवं साफ-सफाई से जुड़ी गतिविधियों में सफाई मित्रों द्वारा लगातार सराहनीय योगदान दिया जा रहा है.

मंडल रेल प्रबंधक के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के तहत मंडल रेल चिकित्सालय, भोपाल में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा ने सफाई मित्रों के उत्कृष्ट कार्य एवं समर्पण के लिए उनका सम्मान किया. उन्होंने कहा कि स्वच्छता मित्र रेल अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं, जो प्रतिदिन अपने कार्य से स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करते हैं. इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सफाई मित्रों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया.

शहर में देर शाम तक लगा रहा जाम

यातयात नियमों की अंदेखी

भोपाल, 13 अक्टूबर. राजधानी में ट्रैफिक जाम की समस्या इन दिनों आम हो गई है. सोमवार को देर शाम तक भोपाल के अलग-अलग सड़क मार्गों पर लंबा ट्रैफिक जाम लगा रहा है.

एमपीनगर में डीबी चौराहे से बोर्ड आफिस चौराहे की ओर जाने वाले मार्ग बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने देर शाम को टेंट लगाकर शस्त्र पूजा कार्यक्रम संचालित किया. यहां निर्मित मेट्रो स्टेशन के नीचे चलित वनवे मार्ग इस दौरान बाधित रहा, जिसके चलते देर तक लोग ट्रैफिक जाम में फंसे रहे. अशोक गार्डन जाने वाले मार्ग पर सुभाष फाटक चौराहे पर भी देर शाम को लंबा ट्रैफिक जाम रहा. इसके साथ ही विद्यानगर से सलैया जाने वाले बाबूलाल गौर ब्रिज मार्ग के नीचे दिन पर लोग जाम की समस्या से परेशान होते नजर आए, दानिशकुंज से त्रिलंगा की ओर जाने वाले मार्ग पर सीसी सड़क के निर्माण कार्य के चलते वनवे पर इन दिनों जाम की समस्या बनी है. बिठ्ठल मार्केट में दशहरा मैदान चौराहे से मुख्य चौराहे तक ट्रैफिक जाम की समस्या देर शाम को बनी रही. शहर के प्रमुख चौराहों पर जाम की समस्या बनी रही और इस मौके पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी नदारद दिखाई दिए. चार पहिया और दो पहिया वाहन चालक भी ट्रैफिक नियमों का उल्लघंन करते हुए आवागमन करते नजर आए, जिसके चलते अन्य राहगीर देरी तक जाम में फंसे रहे. दीपवली पर्व से पहले यातायात दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने सोमवार से ही पार्किंग की सुविधा और रूट बदलाव के निर्देश जारी किए हैं.

त्योहारों पर मिलावट रोकने प्रशासन सख्त

भोपाल. दीपावली पर्व को देखते हुए उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए मध्यप्रदेश शासन ने सभी जिलों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं. खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त दिनेश श्रीवास्तव द्वारा कलेक्टरों को पत्र लिख कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम 2011 का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए. पत्र में स्पष्ट किया गया है कि त्योहारी सीजन में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण किया जाए. जिन प्रतिष्ठानों पर मिलावट या संदिग्ध सामग्री की आशंका हो, वहाँ से तत्काल नमूने लेकर नियम अनुसार कार्रवाई की जाए. इसके साथ ही अवैध रूप से खाद्य पदार्थ निर्माण करने वाले प्रतिष्ठानों पर भी अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए. रिपोर्ट मुख्यालय भोपाल को अनिवार्य रूप से भेजें. शासन ने आमजन से भी अपील की है कि वे त्योहार के अवसर पर मिठाई या खाद्य सामग्री खरीदते समय उसके निर्माण और समाप्ति तिथि, गुणवत्ता, ब्रांड और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें ताकि किसी प्रकार की मिलावट से बचा जा सके.

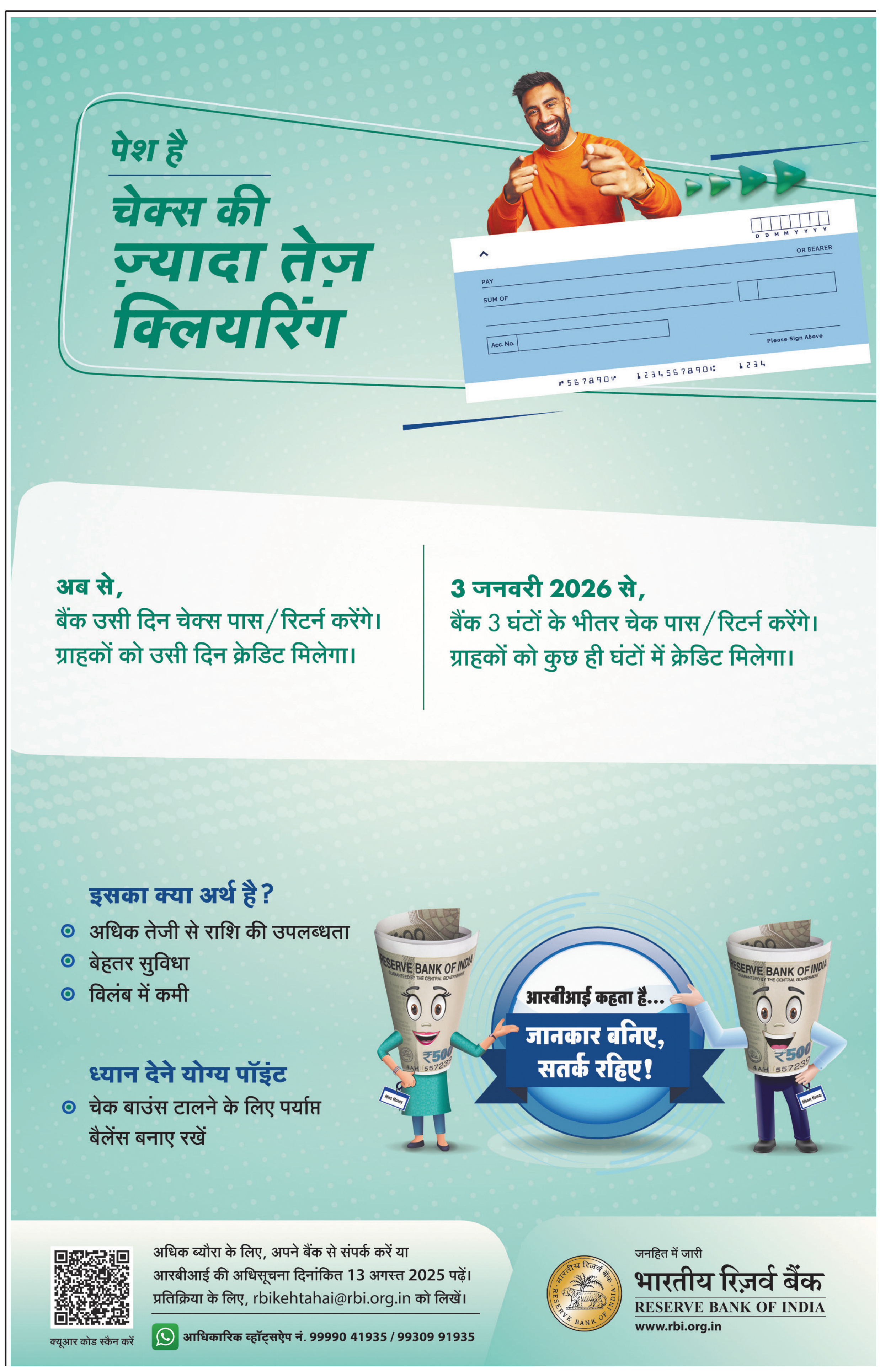

उल्लंघन एनएसयूआई ने की दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

नर्सिंग कॉलेजों में फर्जी फैकल्टी घोटाला उजागर

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल 13 अक्टूबर. एनएसयूआई ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालक को शिकायत सौंपी है कि निजी नर्सिंग कॉलेजों में फर्जी फैकल्टी के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ है.

संगठन ने आरोप लगाया है कि प्रदेश के कई नर्सिंग कॉलेजों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी यानी सीएचओ और एनएचएम के अन्य कर्मचारी कागजों में फैकल्टी के रूप में दर्ज हैं, जबकि वास्तव में वे अपने मूल पदों पर कार्यरत हैं. एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों का इस तरह निजी कॉलेजों में फैकल्टी दिखना न केवल नर्सिंग काउंसिल के मानकों का उल्लंघन है बल्कि शासकीय सेवा आचरण नियमों के तहत गंभीर अपराध भी है। उन्होंने बताया कि कई कॉलेज संचालक सरकारी कर्मचारियों के नाम और पद का उपयोग कर मान्यता प्राप्त कर रहे हैं. जिससे नर्सिंग शिक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं. जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाया कि यह एक संगठित फर्जीवाड़ा है. जिसमें कुछ कॉलेज संचालकों और सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो एनएसयूआई दस्तावेजों के साथ मामले को न्यायालय और जांच एजेंसियों के समक्ष पेश करेगी.

संगठन की मांग

संगठन ने शासन से मांग की है कि जिन कर्मचारियों के नाम दो स्थानों पर दर्ज हैं, उनकी तत्काल जांच कर निलंबन की कार्रवाई की जाए। साथ ही इस दौरान अर्जित वेतन और मानदेय की राशि वसूल की जाए। एनएसयूआई ने यह भी कहा कि सभी जिलों के सीएमएचओ को निर्देशित किया जाए कि वे अपने क्षेत्र के एनएचएम कर्मचारियों की सूची का मिलान नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी सूची से करें।